राजस्व यिभाग युद्ध जागीर दिनांक 12 मई, 1983

क्रमांक 546-ज(11)-83/15494.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधितियम, 1948 (जैसा कि उसे ह्रियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौ पे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री शिबनारायण, पृत्न श्री देवकरण, गांव खंड़ोड़ा, तहसील बावल, जिला महेन्द्रगढ़ को रबी 1978 से खरीफ 1979 तक 150/— रुपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300/- रुपए वार्षिक की मत की युद्ध जागीर, सनद में वी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 556 ज(II)-83/15498. —श्री श्री चन्द, पुत श्री श्री राम, गांव सुण्डाना, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 7 जनवरी, 1981 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुश्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अजीन प्रदान की गई शिव शों का प्रयोग करते हुए श्री श्री चन्द को मुल्लिंग 300 रुपये वाणिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 65-ज(II)-76/6950, दिनांक 5 मार्च, 1976 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज(II)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती जैकल के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वाणिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के भरतगंत प्रदान करते हैं।

कमांक 557-ज(H)-83/15502.--श्री लेहरी सिंह, पुत्र श्री गिरधारी लाल, गांव सिंहपुरा कलां, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 20 दिसम्बर, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधि-नियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए) (ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री लह री सिंह को मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6219-आर-(III)-70/2475, दिनांक 27 जनवरी, 1971 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अनुदूबर, 1979, हारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मिश्री देवी के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतीं के अन्तर्गंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 18 मई, 1983

क्रमांस 420-क्र(I)-83/16104 --पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्तार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि चसे हरियाणा राज्य में पराताया गया है और उसनें प्राज तस संगोतन किया गया है) की घारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के धनुसार सींपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यवाल, श्री जगत सिंह, पुत्र श्री प्रज्ञान सिंह, गांव निवारसी, वहसील थानेसर, जिला कुरिशेत, को खरो ह, 1975 ते खरो ह, 1979 तक 150 चारे वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 क्पने वार्षिक कीमत की युद्ध जानीर सनद में दी गई गतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 554-ज(II) -83/16108.--श्री शादी राम, पुत्र श्री सुण्डु, गांव वुंबल धन, तहसील अज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 17 सितम्बर, 1977, को हुई मृत्यु के परिवामक्षकव हरियाणा के राज्यवाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम; 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रवताया गया है भीर उस में प्राण तक संबोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के प्रधीन श्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री शादी राम को मृत्निंग 150 क्यें वाकिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना ज्ञमांक 2031-मार(4)-87/1691, विनोंक 24 मई, 1967, तथा प्रधिसूचना ज्ञमांक 5041-मार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंत्रर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती बदानों के नाम रवी, 1978 से खरीक, 1979 तक 150 रुपए वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अस्त्यांत प्रदान करते हैं।

कमांक 244-ज-II-83/16112 —-श्री दनेशर सिंह, पुत्र श्री हरकूल, गांव उजीना, तहसील नूह, जिला गुड़गांवा, की दिनांक 25 जून, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए)तया 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री द के सर्व को नुव्लिण 150 हमये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कर्माक 2627-ए-III-71/17409, दिनोंक 16 जून, 1971, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती संझोला देवी के नाम रबी, 1980 से 300 हमये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्जी के अन्तर्गत प्रदान करते हैं। टी. आर. तली,

ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार,

राजस्ब विभाग ।